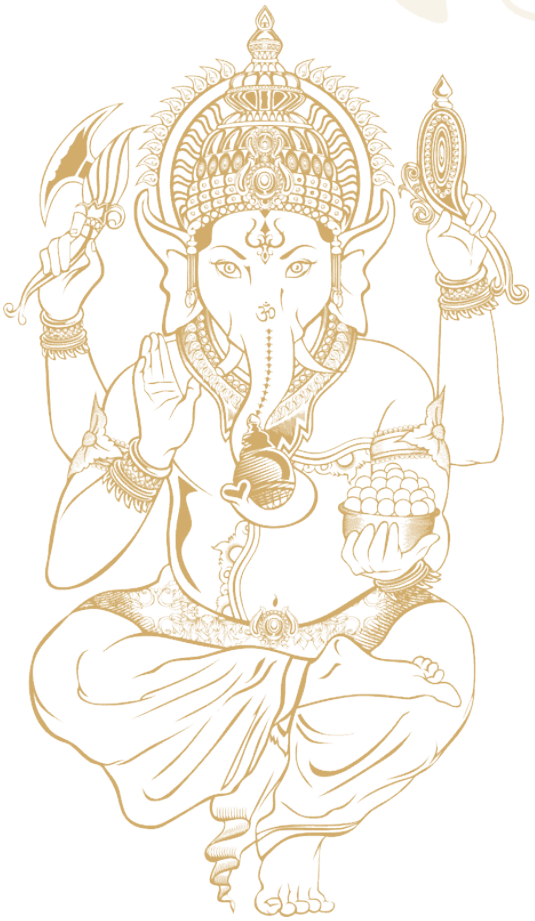

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119039002

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10-11/03/2000 :	जन्म तिथि	: 7-08/11/2000
शुक्र-शनिवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 05:00:00 :	जन्म समय	: 04:56:54 घंटे
घटी 55:25:09 :	जन्म समय(घटी)	: 55:00:19 घटी
India :	देश	: India
Jammu :	स्थान	: Jammu
33:11:00 उत्तर :	अक्षांश	: 32:42:00 उत्तर
74:17:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:52 :	स्थानिक संस्कार	: -00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:49:56 :	सूर्योदय	: 06:53:38
18:36:47 :	सूर्यास्त	: 17:34:39
23:51:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:50

विंशोत्तरी शुक्र 0वर्ष 0मा 2दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 0वर्ष 2मा 19दि
राहु	17:37:45	मक	लग्न	कन्या	26:35:04	बुध
14/03/2023	26:50:46	कुंभ	सूर्य	तुला	21:59:58	27/01/2020
14/03/2041	26:39:42	मेष	चंद्र	मीन	03:09:03	27/01/2037
राहु 24/11/2025	27:12:27	मीन	मंगल	कन्या	08:32:01	बुध 25/06/2022
गुरु 19/04/2028	09:43:12	कुंभ व	बुध व	तुला	06:04:41	केतु 22/06/2023
शनि 24/02/2031	10:47:08	मेष	गुरु व	वृष	14:53:48	शुक्र 22/04/2026
बुध 12/09/2033	03:03:01	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	29:59:09	सूर्य 27/02/2027
केतु 01/10/2034	19:26:04	मेष	शनि व	वृष	04:33:24	चन्द्र 28/07/2028
शुक्र 01/10/2037	08:38:44	कर्क व	राहु व	मिथु	23:49:21	मंगल 25/07/2029
सूर्य 25/08/2038	08:38:44	मक व	केतु व	धनु	23:49:21	राहु 12/02/2032
चन्द्र 24/02/2040	24:49:32	मक	हर्ष	मक	23:05:47	गुरु 20/05/2034
मंगल 14/03/2041	11:49:04	मक	नेप	मक	10:04:48	शनि 27/01/2037
	19:02:26	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:52:06	

लग्न-चलित

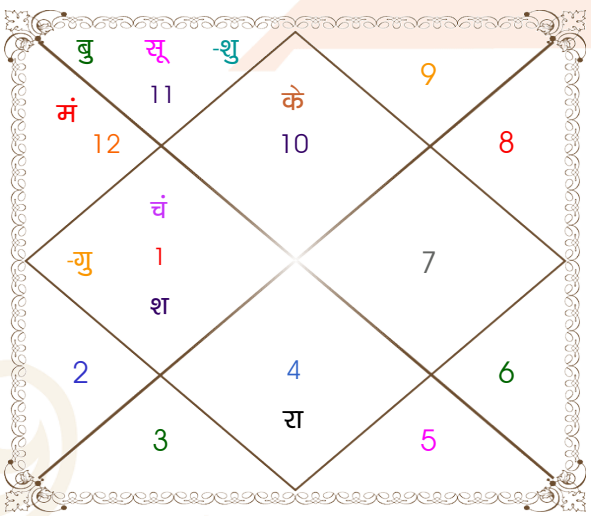

लग्न-चलित

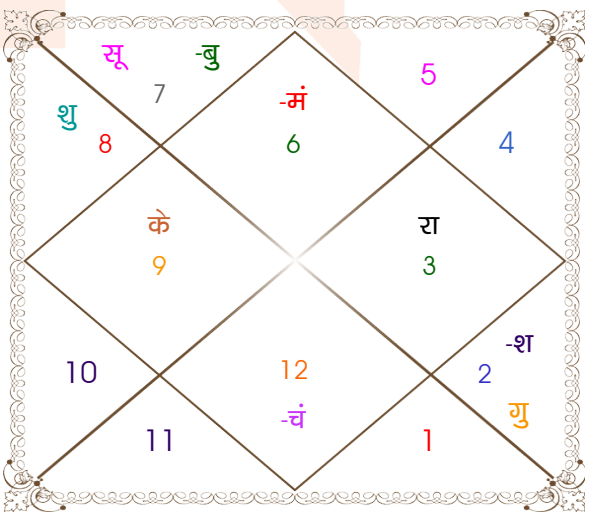

पंडित गोविन्द ज्योतिषी
शिव ज्योतिष कार्यालय
चांद नगर जम्मू-
7006148947

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।